राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 9 नवम्बर, 2022 को पुलिस लाईन में आयोजित कार्यक्रम हेतु माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

जय हिन्द।

प्रिय प्रदेशवासियों,

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के, शुभ अवसर पर, हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। सबसे पहले, मैं आज के दिन, उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन से जुड़े, सभी ज्ञात–अज्ञात, अमर शहीदों और आंदोलनकारियों को, नमन करता हूँ। यह, आप सभी का, बलिदान और संघर्ष ही था कि, 09 नवम्बर, 2000 को, भारत के 27वें राज्य के रूप में, उत्तराखण्ड का, निर्माण हुआ।

उत्तराखण्ड राज्य की पहचान, ऐसे राज्य के रूप में भी है, जहाँ बहुत बड़ी संख्या में, लोग सेना में, या किसी न किसी अर्द्ध सैनिक बल में हैं, और, देश की सीमाओं की रक्षा में, तैनात हैं। हमारा राज्य देवभूमि है, वीरभूमि है, सैन्य भूमि है। मैं, आज, उत्तराखण्ड की, समस्त जनता की ओर से, अपने वीर सैनिकों को, सैल्यूट करता हूँ, शहीदों को नमन करता हूँ।

आज की शानदार, परेड के लिए, मैं, सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को, बधाई देता हूँ। इस अवसर पर, मैं, राष्ट्रपति पदक व राज्य स्तर पर, Commendation पत्र पाने वाले, समस्त पुलिस कर्मियों तथा उनके परिजनों को, बधाई देता हूँ। मुझे, पूरा विश्वास है,

कि, पुलिस के इन जवानों की, उपलब्धियाँ अन्य नागरिकों को, भी अच्छे प्रदर्शन के, लिए प्रेरित करेगी।

उत्तराखण्ड में, अच्छी कानून व्यवस्था, बनाये रखना, बहुत आवश्यक है। प्रदेश में, शांतिपूर्ण माहौल और अच्छी कानून व्यवस्था, द्वारा ही, यहाँ पर्यटन और निवेश को, प्रोत्साहन दिया जा सकता है।

इस वर्ष, चारधाम यात्रा में, देश–विदेश से, 45 लाख श्रद्धालु दर्शन के, लिए आये हैं, तथा कांवड़ यात्रा में, 4 करोड़ श्रद्धालु, गंगा जी से, जल लेकर, गये हैं। इस प्रकार, प्रत्येक वर्ष, 4–5 करोड़ की, visiting population को, उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा संभाला जाता है, जो कि, प्रशंसा का, विषय है। वर्तमान में, बदलते समय में यातायात, साईबर क्राईम, महिला अपराध, ड्रग्स जैसे, अपराधों को, रोकने के लिए भी, उत्तराखण्ड पुलिस की, महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रिय प्रदेशवासियों,

हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि, हमें, देवभूमि में रहने का, यहाँ की सेवा करने का, अवसर मिला है। ऐसा राज्य, जहाँ हिमालय है। गंगा–यमुना जैसी पवित्र नदियाँ हैं, उत्तरकाशी से पिथौरागढ़ तक अमूल्य प्राकृतिक संपदा, और सौन्दर्य है। यह चारधामों की भूमि है, न्याय के देवता गोलू जी महाराज की भूमि है, महासू महाराज की भूमि है, सिक्खों के दसवें गुरू, गुरू गोबिन्द सिंह जी की, तपस्थली है। यहाँ के लोग, स्वयं पहाड़ की तरह, मजबूत, यहाँ की नदियों की तरह, स्वच्छ–निर्मल हैं।

मुझे ऐसा कोई कारण नहीं दिखता कि, हम भारत के सभी राज्यों में सर्वश्रेष्ठ राज्य नहीं बन सकते। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा है कि, 21वीं सदी का, तीसरा दशक, उत्तराखण्ड का दशक होगा। मुझे पूरा यकीन है कि, उत्तराखण्ड का बच्चा–बच्चा, प्रधानमंत्री जी की इस बात को, सच साबित करने में, जुट जायेगा। मुझे खुशी है कि, राज्य निर्माण से अब तक, उत्तराखण्ड ने विकास के कई पैमानों पर, अपनी खास जगह, बनाई है। अगर मैं यह कहूँ कि 22 साल बेमिसाल, तो गलत नहीं होगा, लेकिन, अभी बहुत कुछ, किया जाना बाकी है।

आज के अवसर पर, हमें अपने लिये, तीन लक्ष्य निर्धारित करने हैं,– इमीडियेट गोल, इण्टरमीडियेट गोल और सेन्चुरी गोल। इमीडियेट गोल, यानी तत्काल हासिल किया जाने वाला लक्ष्य, जो कि, 2025 तक का उत्तराखण्ड कैसा होगा, जब हम, अपनी स्थापना के 25 वर्ष मना रहे होंगे, यह तय करना है। इण्टरमीडियेट गोल, 2030 तक, यानी तीसरे दशक की समाप्ति पर, उत्तराखण्ड कैसा होगा, यह वही दशक है जिसे हमें, अपना बनाना है, जिसके बारे में, प्रधानमंत्री जी ने भी, कहा है। तीसरा, सेन्चुरी गोल, यानी 2047 तक, जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष, मना रहा होगा। आजादी के अमृत काल का, अंतिम सोपान। तब उत्तराखण्ड किस स्वरूप में होगा, यह लक्ष्य, हमें आज ही, तय करना है।

उत्तराखण्ड राज्य की, सबसे बड़ी ताकत, यहाँ की महिलाएँ हैं। यहाँ की महिलाओं का, राज्य की अर्थव्यवस्था में, बहुत बड़ा,

योगदान है। संस्कृति संरक्षण की बात हो, या पलायन रोकने की बात हो, ग्रामीण क्षेत्रों में लघु उद्योग लगाना हो, या म्दअपतवदउमदज संरक्षण अभियान हो, हर क्षेत्र में, यहाँ की माताएँ–बहनें आगे हैं। इसीलिये, प्रदेश की हर योजना, यहाँ की, महिलाओं को केन्द्र में रखकर बनाई जानी, आवश्यक है।

सरकार की ऐसी बहुत सी योजनाएँ हैं, लेकिन हमें इन योजनाओं को बड़े लक्ष्यों तक पहुंचाने के लिए,**लाँच पैड** बनाना होगा। इन योजनाओं का Long term लाभ, तभी होगा, जब हम, इनका लाभ उठाते हुए, अपने स्वरोजगार के साधनों में, बढ़ोत्तरी करें। अपना खुद का, कोई काम शुरू करें। खेती–किसानी को, मजबूत करें।

मुझे खुशी है कि, राज्य सरकार ने, उत्तराखण्ड आर्गेनिक ब्राण्ड बनाने का निर्णय किया है। उत्तराखण्ड आर्गेनिक खेती, जड़ी–बूटियों, बेमौसमी सब्जियों–फलों के लिए, बहुत बड़ा,**सप्लायर स्टेट** बन सकता है। इन क्षेत्रों में हमें, अलग–अलग बहुत सी Success Stories भी, दिखाई पड़ती हैं। मशरूम, राजमा, पनीर, सेब, मटर का उत्पादन, एवं निर्यात करने में, बहुत से लोगों ने, अच्छी कामयाबी पाई है। पिथौरागढ़ में, बेडू के उत्पादों ने, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर, नाम कमाया है। हमारे यहाँ, बिच्छूघास से, कई **प्रोडक्ट** बनते हैं, जो सीधे, विदेशी बाजारों में चले जाते हैं। हमारे ऐंपण और रिंगाल के, उत्पाद शानदार होते हैं।

लेकिन अभी भी, यह सफलता की कहानियाँ, बहुत कम हैं। इन्हें, कई गुणा बढ़ाने की, जरूरत है। राज्य में,One District Two Product,योजना चलाई जा रही है, जहाँ, प्रत्येक जनपद के दो प्रमुख उत्पादों को, बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी तरह, हमें One Village One Product, पहचानना होगा। यह प्रोडक्ट, कोई कृषि उत्पाद हो सकता है, कोई हैंडीक्राफ्ट हो सकता है, योग, ध्यान, पर्यटन से संबंधित कोई व्यवसाय हो सकता है। हर गांव हर कस्बा, अपनी शक्ति पहचाने, और उस पर काम करें।

प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, केन्द्र सरकार ने, उत्तराखण्ड में,Infrastructure सुविधाओं के विकास, पर्यटन और संस्कृति को, बढ़ावा देने के लिए, कई कदम उठाये हैं। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केन्द्र, केदारनाथ जी–बद्रीनाथ जी में, करोड़ों रुपये के विकास कार्य, कराये जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले, प्रधानमंत्री जी द्वारा, गौरीकुण्ड–केदारनाथ, और गोबिंदघाट–हेमकुण्ड साहिब रोपवे का, शिलान्यास किया गया। इन Ropeways के बन जाने से, घण्टों का कठिन सफर, मिनटों में होगा, अधिक तीर्थयात्रियों का आना होगा, स्थानीय दुकानों, होटलों को, अधिक लाभ होगा।

चारधामों के लिए, और कुमाऊँ में, आलवेदर रोड, चारधाम रेल नेटवर्क, **रोपवेज**, जौलीग्रांट, पंतनगर हवाई अड्डों का विस्तार, उड़ान योजना में, हैलीकॉप्टरों से यात्रा जैसी, योजनाओं से, राज्य में,

पर्यटकों की संख्या में, भारी इजाफा होगा। बहुत से पर्यटकों को, रहने के लिए जगह भी चाहिये, जिनके लिये, गांवों में होमस्टे को, बढ़ावा देना होगा। एक होमस्टे सिर्फ, एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समुदाय को लाभ पहुंचाता है। राज्य में होमस्टे का निर्माण, एक अभियान के तहत हो रहा है। इसे और मजबूती दिये जाने की, जरूरत है।

उत्तराखण्ड वर्षों से, स्कूली शिक्षा के लिये देश–विदेश में, विख्यात रहा है। अब समय आ गया है कि, यहां के उच्चशिक्षा संस्थानों का भी, उतना ही नाम हो। उत्तराखण्ड में, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो गयी है। राज्य के विश्वविद्यालयों को,**'सेण्टर ऑफ एक्सीलेंस'** बनाने के लिये, प्रोत्साहित, किया जा रहा है। मेरा मानना है कि, कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज की पढ़ाई, ऐसी होनी चाहिये कि, विद्यार्थियों को, रोजगार मिले, समाज को उनकी चुनौतियों का, समाधान मिले, **लैब टू लैण्ड** के सिद्धांत पर, पढ़ाई का लाभ, गावों को, गरीबों को, पिछड़ों को, मिले।

विकसित और समृद्ध प्रदेश के लिये, जन स्वास्थ्य को, मजबूती प्रदान करना, जरूरी है। उत्तराखण्ड आयुष्मान योजना में, सभी परिवारों को, 5 लाख रुपये वार्षिक तक, निःशुल्क ईलाज की सुविधा, दी जा रही है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में, स्वास्थ्य सुविधाओं को,मजबूत बनाने के लिये कदम, उठाये जा रहे है।

मेरा मानना है कि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेलि मेडिसन और ड्रोन टेक्नोलॉजी को, बढ़ावा देकर, हम आने वाले समय में उत्तराखण्ड के, पर्वतीय क्षेत्रों में, बहुत जल्दी से विकास के कार्य, कर सकते हैं। इसके लिए, कनेक्टिविटी सबसे पहली शर्त है। राज्य में संचार नेटवर्क को, बेहतर बनाने के लिये, 1202 मोबाइल टावरों की स्वीकृति मिली है। गांव में, ऑप्टिकल फाइबर लाये जा रहे हैं।

उत्तराखण्ड की All Round Success,और विकास के लिये, यहाँ शासन प्रशासन का, स्वच्छ पारदर्शी और Corruption free होना, बहुत जरूरी है। मुझे खुशी है कि, राज्य सरकार द्वारा, इस दिशा में, कई ठोस कदम उठाये गये हैं। भ्रष्टाचार मुक्त एप 1064, सी0एम0 हेल्पलाईन 1905, इस दिशा में बड़े कदम हैं। **अपणि सरकार पोर्टल**, **ई–ऑफिस, ई–कैबिनेट,** जैसे कदम, सुशासन की दिशा में, उठाये गये हैं।

प्रिय प्रदेशवासियों,

अंत में, आज के शुभ अवसर पर, मैं, आपसे दो संकल्प, चाहता हूँ। ट्रैफिक नियमों का पालन कर, हम सड़क दुर्घटनाओं में काफी हद तक, कमी ला सकते हैं। वाहनों की फिटनेससमय पर, कराकर, वाहनों में ओवरलोडिंग का त्याग कर, सड़क पर गाड़ी चलाते हुए, सभी नियमों का पालन कर, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को, कम किया जा सकता है। एक अन्य बात, जो मैं

आज, आपसे साझा करना चाहता हूँ, उत्तराखण्ड के हर हिस्से को, स्वच्छता अभियान का रोल मॉडल, बनाना है। हमारे यहाँ, देश–विदेश से पर्यटक आते हैं, हमारी सड़कें, पर्यटक स्थल, नदी–घाट, ट्रेक साफ–सुथरे रहने चाहिए। यह तभी संभव है, जब, यहाँ का बच्चा–बच्चा, स्वच्छता अभियान हेतु, अपने मन में, संकल्प ले लें।

इन संकल्पों को सिद्ध करके ही, हम आने वाले समय में, उत्तराखण्ड को एक सुनहरा भविष्य, दे सकते हैं। राज्य स्थापना दिवस की, आप सभी को, एक बार पुनः, हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

जय हिन्द। **जय उत्तराखण्ड।**